एक नजर में

नेशनल लोक अदालत में सुलह की मिसाल
टूटे हुए तीन परिवारों में फिर लौटी खुशियां

खण्डवा । जिला न्यायालय परिसर खण्डवा में आयोजित नेशनल लोक अदालत ने एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया है कि यदि संवाद के द्वार खुले हों और मन की दूरी मिटाने का प्रयास किया जाए, तो टूटते हुए रिश्तों को भी सहेजा जा सकता है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के मार्गदर्शन में आयोजित इस लोक अदालत में कुटुंब न्यायालय की खंडपीठ के समक्ष ऐसे कई संवेदनशील प्रकरण आए, जहाँ पति-पत्नी के बीच लंबे समय से चल रहे कानूनी और मानसिक विवाद का सुखद अंत हुआ। कुटुंब न्यायालय के पीठासीन अधिकारी योगराज उपाध्याय ने इन प्रकरणों में केवल कानूनी दृष्टिकोण ही नहीं, बल्कि एक अभिभावक और मार्गदर्शक की भूमिका निभाते हुए मानवीय मूल्यों और पारिवारिक गरिमा के आधार पर आपसी समझौते कराए।

सफलता की पहली मिसाल उस परिवार में देखी गई जहाँ विवाह के कुछ वर्षों बाद आर्थिक विवाद और आपसी गलतफहमियों ने पति-पत्नी को न्यायालय के दरवाजे तक पहुँचा दिया था। वर्षों से अलग रह रहे इस दंपत्ति को जब पीठासीन अधिकारी ने समझाया कि न्यायालय का उद्देश्य समाज और परिवार में शांति स्थापित करना है, तो उनकी वर्षों पुरानी कटुता एक पल में समाप्त हो गई। उन्होंने अपनी पीड़ा और शिकायतों को पीछे छोड़कर एक-दूसरे के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए साथ रहने का निर्णय लिया।

इसी प्रकार एक अन्य मामले में, जो वर्ष 2024 में वैवाहिक बंधन में बंधे 'राहुल' और 'पूजा' (परिवर्तित नाम) के बीच था, एक नन्हे बच्चे का भविष्य दांव पर लगा था। आपसी अविश्वास और पारिवारिक हस्तक्षेप के कारण पत्नी अपने मायके में रहने लगी थी और संवाद पूरी तरह बंद हो चुका था। लोक अदालत के मंच पर जब उन्हें बच्चे के उज्ज्वल भविष्य और वैवाहिक जीवन की पवित्रता का एहसास कराया गया, तो दोनों पक्षों ने अपनी गलतियों को स्वीकारा और आपसी सहमति से पुन: गृहस्थी बसाने का संकल्प लिया। इसके अतिरिक्त, अमित और सीमा (परिवर्तित नाम) के बीच चल रहे तनावपूर्ण वैवाहिक संबंधों का भी परामर्श और समझाइश के माध्यम से सौहार्दपूर्ण निराकरण किया गया।

इन सफलताओं ने समाज को यह गहरा संदेश दिया है कि नेशनल लोक अदालत केवल फाइलों और लंबित प्रकरणों के निपटारे का माध्यम नहीं है, बल्कि यह बिखरते हुए परिवारों को जोड़ने और समाज में सौहार्द की नींव मजबूत करने का एक पवित्र मंच है। इन समझौतों से न केवल न्यायालय का बोझ कम हुआ है, बल्कि संबंधित पक्षों के जीवन में नए सवेरे की शुरुआत हुई है।

श्रीकृष्ण बालाजी नगर में सजेगा सपनों के घर का संसार
बालाजी ग्रुप का भव्य आवास मेला 27 मार्च से

खंडवा। ओंकारेश्वर, सनावद और आस-पास के क्षेत्रों में अपना आशियाना बनाने का सपना देख रहे लोगों के लिए एक सुनहरा अवसर आने वाला है। क्षेत्र के प्रतिष्ठित बालाजी ग्रुप द्वारा आगामी 27, 28 और 29 मार्च को ओंकारेश्वर रोड स्थित उनकी महत्वाकांक्षी कॉलोनी श्री कृष्ण बालाजी नगर में एक विशाल तीन दिवसीय आवास मेले का आयोजन किया जा रहा है। आधुनिक सुविधाओं और प्राकृतिक सौंदर्य के अनूठे संगम वाली इस कॉलोनी को लेकर क्षेत्र की जनता में पहले से ही भारी उत्साह देखा जा रहा है। श्री कृष्ण बालाजी नगर की सबसे बड़ी विशेषता यहाँ निर्मित हो रहा भगवान केदारनाथ का भव्य मंदिर है, जो भविष्य में निवासियों के लिए आस्था का प्रमुख केंद्र होगा। इसके साथ ही कॉलोनी में शानदार क्लब हाउस और सेकंड होम के रूप में आकर्षक विला व बंगलों का निर्माण भी किया जा रहा है। रिस्पांस इतना जबरदस्त है कि मेले के औपचारिक शुभारंभ से पहले ही बड़ी संख्या में प्लॉट और मकानों की बुकिंग का सिलसिला शुरू हो चुका है।

इस आवास मेले का सबसे बड़ा आकर्षण बालाजी ग्रुप द्वारा घोषित किए गए लकी ड्रा पुरस्कार हैं, जो ग्राहकों के उत्साह को दोगुना कर रहे हैं। योजना के अनुसार, मेले के दौरान ग्रुप की किसी भी कॉलोनी में बुकिंग करने वाले व्यक्ति को 29 मार्च को आयोजित होने वाले लकी ड्रा में शामिल होने का मौका मिलेगा। इस ड्रा में प्रथम पुरस्कार के रूप में 21 ग्राम सोने का भव्य रानी हार रखा गया है, जबकि द्वितीय पुरस्कार 11 ग्राम सोने के कंगन और तृतीय पुरस्कार 250 ग्राम चांदी की राम दरबार की प्रतिमा है। इसके अतिरिक्त चतुर्थ पुरस्कार के रूप में बालाजी धाम स्थित क्लब हाउस का एक दिन के लिए पूर्णत: नि:शुल्क उपयोग और पंचम पुरस्कार के रूप में डेढ़ टन का ब्रांडेड एयर कंडीशनर दिया जाएगा। इन सभी पुरस्कारों की घोषणा मेले के अंतिम दिन श्री कृष्ण बालाजी नगर परिसर में ही की जाएगी।

बालाजी ग्रुप के संस्थापक और समाजसेवी रितेश गोयल ने खंडवा जिले सहित सनावद और बड़वाह के नागरिकों द्वारा ग्रुप पर दिखाए गए भरोसे के लिए आभार व्यक्त किया है। उन्होंने सभी क्षेत्रवासियों को इस आवास मेले में सपरिवार शामिल होने का निमंत्रण देते हुए कहा कि ग्रुप का मुख्य उद्देश्य लोगों को केवल मकान बेचना नहीं, बल्कि एक उच्च स्तरीय जीवनशैली और सुरक्षित परिवेश प्रदान करना है। उन्होंने विश्वास जताया कि यह आवास मेला न केवल घर खरीदने का माध्यम बनेगा, बल्कि लकी ड्रा के माध्यम से कई परिवारों की खुशियों में इजाफा भी करेगा।

भाजपा का दो दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग आज से
नवचंडी माता परिसर में जुटेंगे कार्यकर्ता

खंडवा । भारतीय जनता पार्टी की विशिष्ट कार्यपद्धति और विचारधारा को जमीनी स्तर तक सुदृढ़ करने के उद्देश्य से पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान के तहत कुशाभाऊ ठाकरे मंडल का दो दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग आज से प्रारंभ हो रहा है। नवचंडी माता मांगलिक परिसर में आयोजित होने वाले इस महत्वपूर्ण शिविर की पूर्व तैयारियों का जायजा लेने शनिवार को भाजपा जिला अध्यक्ष राजपाल सिंह तोमर और विधायक कंचन मुकेश तनवे कार्यक्रम स्थल पहुंचे।

निरीक्षण और कार्यकर्ताओं को संबोधन-स्थल निरीक्षण के दौरान जिला अध्यक्ष राजपाल सिंह तोमर ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि प्रशिक्षण वर्ग भाजपा की कार्यपद्धति का सबसे महत्वपूर्ण स्तंभ है। उन्होंने जोर देकर कहा कि लोकसभा और विधानसभा चुनावों में भाजपा की निरंतर सफलता और सत्ता में बने रहना हमारी सशक्त प्रशिक्षण प्रणाली का ही परिणाम है। तोमर ने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे इस वर्ग में पूरी सक्रियता के साथ शामिल हों, क्योंकि एक प्रशिक्षित कार्यकर्ता ही संगठन की विचारधारा को जन-जन तक प्रभावी ढंग से पहुँचा सकता है।

टिक्कड़ कैंटीन पर प्रशासन का छापा, 27 अवैध सिलेंडर जब्त

अब होटलों और मैरिज गार्डन्स की बारी

नवभारत न्यूज

खंडवा । जिला प्रशासन ने एलपीजी गैस सिलेंडरों के अवैध भंडारण और उनके व्यावसायिक दुरुपयोग के विरुद्ध एक बड़ी घेराबंदी शुरू कर दी है। कलेक्टर ऋषव गुप्ता के कड़े निर्देशों के बाद गठित संयुक्त दल ने शुक्रवार देर रात सिविल लाइन्स स्थित प्रसिद्ध 'टिक्कड़' कैंटीन पर छापामार कार्रवाई को अंजाम दिया।

इस कार्रवाई ने शहर के उन रसूखदार होटल संचालकों और वैवाहिक परिसर स्वामियों की नींद उड़ा दी है, जो नियमों को ताक पर रखकर गैस सिलेंडरों का अवैध संग्रह करते हैं।

राजस्व, पुलिस और खाद्य विभाग के इस संयुक्त दल का नेतृत्व सहायक कलेक्टर डॉ. श्रीकृष्ण सुशीर और सिटी मजिस्ट्रेट बजरंग बहादुर सिंह कर रहे थे। दल में प्रभारी सहायक आपूर्ति अधिकारी अमित चौहान सहित कई कनिष्ठ अधिकारी शामिल थे। जांच के दौरान टिक्कड़ कैंटीन के परिसर में भारत गैस और एचपी कंपनी के भारी मात्रा में कमर्शियल सिलेंडर पाए गए। जब कैंटीन प्रबंधक दीपक अरझरे से इन सिलेंडरों के वैध कनेक्शन और सहायक दस्तावेजों की मांग की गई, तो वे कोई भी पुख्ता प्रमाण प्रस्तुत नहीं कर सके।

दस्तावेजों के अभाव में

प्रशासन ने मौके से कुल 27 अवैध एलपीजी सिलेंडर जब्त किए। इनमें भारत गैस कंपनी के 47.5 किलोग्राम क्षमता के 15 सिलेंडर (9 भरे और 6 खाली) तथा 19 किलोग्राम क्षमता के 8 सिलेंडर शामिल हैं। साथ ही एचपी कंपनी के 4 खाली कमर्शियल सिलेंडर भी बरामद हुए। जब्त किए गए इन सिलेंडरों का कुल बाजार मूल्य लगभग 1,71,237 रुपये आंका गया है। इन सभी सिलेंडरों को तत्काल प्रभाव से शुभांशी भारत गैस पिपलोदखास की सुरक्षित सुपुर्दगी में सौंप दिया गया है।

प्रशासन ने इस मामले में टिक्कड़ कैंटीन के मालिक सहित प्रबंधक दीपक अरझरे के विरुद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3/7 तथा द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस आदेश के तहत प्रकरण तैयार किया है, जिसे सक्षम न्यायालय में प्रस्तुत किया जा रहा है। इस बड़ी कार्रवाई के बाद शहर के गलियारों में यह चर्चा तेज है कि प्रशासन की नजर अब उन बड़े होटलों, रेस्टोरेंट्स और वैवाहिक परिसरों (मैरिज गार्डन्स) पर है, जहां अक्सर भारी मात्रा में गैस सिलेंडरों का अवैध भंडारण किया जाता है। सूत्रों की मानें तो आगामी दिनों में शहर के कई अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों पर भी ऐसे ही छापे पड़ सकते हैं, क्योंकि प्रशासन को सूचना मिली है कि कई स्थानों पर कमर्शियल कनेक्शन की आड़ में घरेलू गैस का दुरुपयोग और बिना सुरक्षा मानकों के भंडारण किया जा रहा है। जिला प्रशासन की इस सक्रियता ने अवैध कारोबारियों के बीच हड़कंप की स्थिति पैदा कर दी है।

मालीकुआं में श्री मां हिंगलाज प्राकट्य उत्सव, 17 को निकलेगी चुनरी यात्रा

नवभारत न्यूज

खंडवा। शहर के मालीकुआं स्थित श्री मां हिंगलाज माता मंदिर में 17 मार्च को मां हिंगलाज प्राकट्य उत्सव श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जाएगा। इस अवसर पर अंतरराष्ट्रीय भावसार महासभा मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ तथा भावसार समाज द्वारा विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

प्राचीन मान्यता के अनुसार मंदिर में स्थापित पत्थर की प्रतिमा को पहले लोग हनुमानजी समझकर पूजते थे, बाद में एक महिला में माता के प्रकट होने पर इसे मां हिंगलाज का स्वरूप बताया गया। इसके बाद यहां मंदिर का निर्माण कराया गया। उन्होंने बताया कि मां हिंगलाज भावसार समाज की कुलदेवी हैं।

कार्यक्रम के तहत सुबह मंदिर

में विशेष श्रृंगार, पूजन और दोपहर 12 बजे आरती के बाद कन्या भोज व भंडारे का आयोजन होगा। भावसार समाज सुबह 9 बजे कहारवाड़ी चौक स्थित भावसार धर्मशाला से विशाल चुनरी यात्रा निकालेगा, जो शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए मालीकुआं स्थित मंदिर पहुंचेगी। यहां पूजन-अर्चना के बाद जसवाड़ी रोड स्थित भावसार बालक धाम आश्रम में भंडारा होगा।

होली की रात बुजुर्ग महिला से दरिंदगी

मुख्य आरोपी गिरफ्तार

नवभारत न्यूज

खंडवा। जिले के नर्मदा नगर थाना क्षेत्र में बुजुर्ग महिला के साथ दुष्कर्म और मारपीट के सनसनीखेज मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार राय के निर्देश पर चलाए जा रहे महिला संबंधी अपराधों के विरुद्ध अभियान के तहत इस कार्रवाई को अंजाम दिया गया।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) राजेश रघुवंशी और एसडीओपी मूंदी मनोहर सिंह गवली के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी नर्मदानगर निरीक्षक विकास खींची के नेतृत्व में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी गणेश पिता चिंताराम मांडरे (35) निवासी पुनासा को गिरफ्तार किया।

पुलिस के अनुसार, पीड़िता ने 6 मार्च को रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 4 मार्च को होली की रात करीब 7 बजे अज्ञात बदमाश मुंह बांधकर उसके घर में घुस आए और उसके साथ दुष्कर्म कर मारपीट की। पीड़िता ने संदेह के आधार पर अपने ही समाज के व्यक्ति गणेश मांडरे का नाम बताया था।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक ने तीन विशेष टीमें गठित कीं। पुलिस ने संदेही गणेश को 10 मार्च को हिरासत में लेकर पूछताछ की, जहां उसने अपना अपराध स्वीकार कर लिया। इसके बाद उसे 11 मार्च को विधिवत गिरफ्तार कर पुलिस रिमांड पर लिया गया।

आरोपी का डीएनए परीक्षण के लिए रक्त नमूना भी लिया गया है।

पुलिस रिमांड समाप्त होने के बाद 14 मार्च को आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जिला जेल खंडवा भेज दिया गया।

इन पुलिसकर्मियों की रही सराहनीय भूमिका :कार्रवाई में निरीक्षक विकास खींची, उपनिरीक्षक राजेंद्र सयदे, उपनिरीक्षक हुकुम चौधरी, सहायक उपनिरीक्षक महेश श्रीवास्तव, प्रधान आरक्षक रवि पांडे, जितेंद्र मंडलोई, अरविंद बालके, जितेंद्र डोडे, आरक्षक जितेंद्र राठौर, नेपाल सिंह कनेल, अनिल जाट, नन्हे लाल गुर्जर, पुरुषोत्तम तथा सायबर सेल टीम की अहम भूमिका रही।

सिंगाजी ताप विद्युत परियोजना को मिली बड़ी सौगात

महाराणा प्रताप हॉकी स्टेडियम का किया भव्य लोकार्पण

नवभारत न्यूज

खंडवा। श्री सिंगाजी ताप विद्युत परियोजना की आवासीय कॉलोनी, शिवरिया टाउनशिप के खेल इतिहास में शुक्रवार, 13 मार्च का दिन एक स्वर्णिम अध्याय के रूप में जुड़ गया। टाउनशिप में नवनिर्मित अत्याधुनिक हॉकी स्टेडियम का लोकार्पण एमपी पावर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड के डायरेक्टर (टेक्निकल) सुबोध निगम के कर-कमलों द्वारा संपन्न हुआ। इस गरिमामयी समारोह में मुख्य अभियंता जे.सी. जुनवाल सहित परियोजना के तमाम वरिष्ठ अधिकारी और बड़ी संख्या में कर्मचारी व उनके परिजन उपस्थित रहे।

देश के महान वीर और देशभक्त के सम्मान में इस नवनिर्मित खेल परिसर का नामकरण 'महाराणा प्रताप हॉकी स्टेडियम' किया गया है।

स्टेडियम के लोकार्पण के तुरंत बाद एक रोमांचक मैत्री मैच का आयोजन किया गया। यह मुकाबला सिंगाजी ताप विद्युत परियोजना और देवास की टीम के बीच खेला गया। खेल के दौरान खिलाड़ियों ने जबरदस्त

तालमेल दिखाया, जिसमें सिंगाजी की टीम ने देवास को 3-1 के अंतर से शिकस्त देकर स्टेडियम में अपनी पहली जीत दर्ज की।

कम समय में तैयार हुआ भव्य खेल परिसर :सिंगाजी परियोजना के खिलाड़ी लंबे समय से राज्य और राष्ट्रीय स्तर की विद्युत प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते रहे हैं, लेकिन यहां एक समर्पित हॉकी ग्राउंड की कमी लंबे समय से महसूस की जा रही थी। मुख्य अभियंता श्री जे.सी. जुनवाल के मार्गदर्शन में प्रशासन ने सक्रियता दिखाते हुए बेहद कम समय में इस भव्य स्टेडियम का निर्माण कार्य पूर्ण कर शिवरिया टाउनशिप के निवासियों और खिलाड़ियों को एक बड़ी सौगात दी है। इस अवसर पर खेल भावना को प्रोत्साहित करने के लिए अतिरिक्त मुख्य अभियंता आरके साहू, एससी गुप्ता, वीएस मल्ल, एचएस तिवारी, एमके कोरी एवं आरएस अलावा सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। अधिकारियों ने विश्वास जताया कि इस स्टेडियम से निकलने वाले खिलाड़ी भविष्य में राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाएंगे और परियोजना का नाम रोशन करेंगे।

200 से अधिक अवॉर्ड से क्लबस और पदाधिकारियों का सम्मान

खण्डवा। लायन्स इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3233 जी-1 के रीजन 11 श्रेया की रीजन कॉन्फ्रेंस का आयोजन शुक्रवार को खण्डवा के वृंदावन गार्डन में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डिस्ट्रिक्ट गवर्नर लायन अनिल खण्डेलवाल रहे। उन्होंने कॉन्फ्रेंस की व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए इसे डिस्ट्रिक्ट की सर्वश्रेष्ठ कॉन्फ्रेंस बताया।

पीआरओ नारायण बाहेती ने बताया कि कॉन्फ्रेंस में आयोजक लायन्स क्लब खण्डवा सहित खण्डवा के लायन्स क्लब आनंद, लायन्स ओजस और लियो क्लब खण्डवा के साथ ही सनावद, बड़वाह, महेश्वर, बुरहानपुर, मूंदी, हरसूद, पंधाना, भीकनगांव और झिरनिया के क्लबों के 250 से अधिक सदस्य उपस्थित रहे। रीजन चेयरपर्सन राजीव मालवीय ने जुलाई से अब तक क्लबों द्वारा किए गए सेवा एवं प्रशासनिक कार्यों की समीक्षा प्रस्तुत की। इस अवसर पर विभिन्न श्रेणियों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले क्लबों और पदाधिकारियों को 200 से अधिक अवॉर्ड प्रदान किए गए।

कार्यक्रम में नगर निगम अध्यक्ष अनिल विश्वकर्मा, वीडीजी महेश मालवीय, जयप्रकाश त्रिपाठी, राम जाट सहित कई पदाधिकारी उपस्थित रहे। कॉन्फ्रेंस से पूर्व शहर में बैनर के साथ रैली भी निकाली गई। कार्यक्रम का संचालन हेमलता पालीवाल और प्रियंका गुजराती ने किया तथा आभार रीजन सचिव घनश्याम वाधवा ने व्यक्त किया।

निमाड़ में गणगौर पर्व शुरू : दशा माता का पूजन और ओंकारेश्वर में बोए गए ज्वारे

खंडवा/ओंकारेश्वर। निमाड़ अंचल में पारंपरिक गणगौर पर्व का शुभारंभ हो गया है। शुक्रवार को चैत्र कृष्ण पक्ष की दशमी के अवसर पर दशा माता की पूजा-अर्चना की गई और विभिन्न स्थानों पर माता के जवारे बोने की परंपरा निभाई गई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में महिलाओं ने धार्मिक अनुष्ठान कर परिवार की सुख-समृद्धि और मंगल की कामना की।

खंडवा में महिलाओं ने पीपल के वृक्ष के नीचे बैठकर विधि-विधान से दशा माता की पूजा की। दशा माता देवी पार्वती का ही स्वरूप मानी जाती हैं और दशमी के दिन उनकी पूजा करने से घर की बुरी दशा दूर होकर सुख-समृद्धि आती है। महिलाओं ने गले में धागे की गांठ बांधकर पीपल के वृक्ष की परिक्रमा की और सूत

के धागे से पेड़ को बांधते हुए पूजा-अर्चना की।

गणगौर पर्व के अवसर पर विभिन्न महिला मंडलों द्वारा भी धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा पार्वती बाई धर्मशाला के बगीचे में गणगौर माता का बाना किया गया। इस दौरान मंडल की महिलाओं ने विधि-विधान से माता की पूजा कर परिवार और समाज की खुशहाली की कामना की तथा पारंपरिक 'झाले' गीत गाए। मंडल की प्रतिभा राठी ने बताया कि शीतला सप्तमी से प्रतिदिन गणगौर माता को अलग-अलग स्थानों पर घुमाने ले जाया जाता है, जहां महिलाएं जल अर्पित कर माता को भोग लगाती हैं और पारंपरिक गीत गाती हैं। कार्यक्रम में कविता मुंदड़ा, कंचन काकानी, प्रिया जाखेटिया, मनीषा गांधी, अनुश्री बाहेती, रत्ना राठी, रजनी काकानी, शीतल माहेश्वरी, स्मिता मुंदड़ा और कौशल्या शर्मा सहित कई सदस्याएं उपस्थित रहीं।

वहीं तीर्थ नगरी ओंकारेश्वर में गणगौर उत्सव की शुरुआत अन्य स्थानों की तुलना में एक दिन पहले की परंपरा के अनुसार की गई। मान्यता है कि माता पार्वती का मायका ओंकारेश्वर माना जाता है। इस अवसर पर ब्रह्मपुरी, विष्णुपुरी और शिवपुरी क्षेत्र में पंडित ललित दुबे, पंडित रामचंद्र परसाई और गजानन गिरी के निवास पर विधि-विधान से माता के जवारे बोए गए। दिनभर महिलाएं बांस की छोटी-छोटी टोकनियां लेकर बाड़ी स्थानों पर पहुंचीं और धार्मिक अनुष्ठान किए।

शाम के समय महिलाएं पंडित परिवारों के यहां से केसर-कस्तूरी लेने पारंपरिक लोकगीत 'झालरिए' और ढोल-धमाकों के साथ बगीचों में पहुंचीं। वहां से माता पार्वती को गौर माता के रूप में बाड़ी स्थानों पर लाकर जवारे बोए गए और पूजा-अर्चना की शुरुआत हुई। देर शाम नगर की बाड़ियों में महिलाओं ने रनूबाई के गीत और भजन गाए। गणगौर उत्सव के तहत 20 मार्च को दूज के दिन माता का पाठ बैठाया जाएगा और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ आगे के आयोजन किए जाएंगे।